

Total Pages : 4

KN-58

B.A. (Part-II) Examination, 2022

(New Course)

SANSKRIT

(पद्य तथा साहित्येतिहास)

[Paper : Second]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

निर्देश: सभी प्रश्न करना अनिवार्य है। अंक प्रश्नों के समक्ष अंकित हैं।

इकाई-1

1. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - [15]

(क) स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयाताम्

निषेदुषीमासम्बन्धधीरः।

KN-58/1000

(1)

[P.T.O.]

जलाभिलाषीजलमाददानाम्

छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत्॥

(ख) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन

प्रत्यद्गता पार्थिवधर्मपन्नया।

मन्तरेसा विरराज धेनु

दिनक्षया मध्यगतेव सन्ध्या॥

(ग) तद्रक्ष कल्याण परम्पराणां

भोक्तारमूर्जस्वल मात्मरेहम्।

महीतलस्पर्शनमात्रभिन्न

मृद्धं हि राज्यं पदमैन्द्र माहुः॥

(ब) किसी एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए - [10]

(क) तस्याः खुरन्यास सपवित्रपांसु

मर्यासुलान्मे धुरिकीर्तनीया।

मार्गं मनुष्येश्वर धर्मपत्नी

श्रुतेरिवार्थं स्मृति रूपगच्छत्॥

(ख) अलं महीपाल ! तव श्रमेण

प्रयुक्त मव्यस्त्रमितो वृथास्यात।

न पादपोन्मूलन शक्तिरहः

शिलोच्चये मूर्छति मारुतस्य॥

इकाई-II

2. नन्दिनी गाय और राजा दिलीप का वार्तालाप अपने शब्दों में लिखिए। [10]

अथवा

उपमा कालिदासस्य की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

इकाई-III

3. (अ) किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए - [20]

- (क) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्
पिबेच्च मृग तुष्णिकासु सलिलं पिसासादितः।
कदाचिदपि मृग पर्यत्छछशविषाणमासादयेत
न तु प्रतिनिविष्टं मुखं जनचित्तं माराधयेत्॥
- (ख) जातिर्यातु रसातलं गुणगणैस्तस्याप्यधो गच्छतां।
शीले शैलत तयत्पत्थभिजनः सन्दहातां वहिग्नाः
शौर्यं वैरिणि वज्रमाशु निपत्तत्वर्थोऽस्तु नः केवलं
येनकेन विना गुणास्तृषलवप्रायाः समस्ता इमे॥
- (ग) उद्भासिताऽखिल खलस्य विशृखलस्य
प्राग्जातविस्तृतनिजाधर्मकर्म वृतेः।

दैवादवाप्तविभवस्य गुणद्वयोऽस्य

नीचस्य गोचरगतैः सुखमाप्यते कैः॥

इकाई-IV

4. निम्नाङ्कित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए - [10]

- (क) वेणीसहार
- (ख) मुद्राराक्षस
- (ग) जानकीहरण
- (घ) हर्षचरित

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लेख लिखिए - [10]

- (क) मेघदूत
- (ख) रामायणचम्पू
- (ग) पञ्चतन्त्र
- (घ) हितोपदेश

----X----